Govt. Arya Degree College Nurpur, District Kangra, H.P. 176202

A Report

National-level Seminar Series
on
Indian Knowledge Systems (IKS)

1. Traditional Knowledge of Plants and its Relevance in Modern Society
(Indigenous Healing Traditions)

(23 August 2025)

On dated 23 August 2025, a National Level Seminar Series on Indian Traditional Knowledge System was started by Internal Quality Assurance Cell and Research Development and Innovation Committee of Govt. Arya Degree College. On this occasion three scientists, Dr. Hardeep Singh, Dr. Rachna and Dr. Vivek Dogra from Regional Ayurveda Research Institute, Mandi, Himachal Pradesh, CCRS (Central Council for Research in Ayurvedic Sciences), Ministry of Ayush, Government of India delivered their talks on 'Traditional Knowledge of Plants and its Relevance in Modern Society'. The keynote speakers of the seminar, college principal, staff members and students were welcomed by the seminar convener Dr. Rakesh Kumar. The speakers highlighted the importance of traditional knowledge, need for its documentation, patents and biopiracy. They also explained the use of plant parts or plant products in our daily life. They focussed upon the conservation of all these plants. College Principal Dr. Anil Kumar Thakur in his lecture highlighted the importance of local plants, their uses since the ancient times and conservation methods. College students Sahajdeep Kaur, Ankita Choudhary, Shalini Devi, Neeharika, Vanshika and Akriti Sharma also brought some plants form local areas which were being used traditionally. These students demonstrated how these plants are used in their areas. At the end of the seminar vote of thanks was presented by Dr. Diljeet Singh. A total of 100 participants attended the seminar.

राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी की श्रृंखला का शुभारंभ

नूरपुर, (आपका फैसला)। राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और अनुसंधान विकास और नवाचार समिति द्वारा भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली पर एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी श्रृंखला का आज शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थानए मंडीए हिमाचल प्रदेशए सीसीआरएस ;केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषदद्धए आयुष मंत्रालय भारत सरकार के तीन वैज्ञानिकोंए डॉ हरदीप सिंह, डॉ रचना और डॉ विवेक डोगरा ने पौधों का पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक समाज में इसकी प्रासंगिकताश् पर अपनी बातचीत की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ताए कॉलेज के प्राचार्य, स्याफ सदस्यों और छात्रों का स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ राकेश कुमार ने किया।

राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी की श्रृंखला का शुभारंभ आज किया गया महाविद्यालय में

नूरपुर से विनय महाजन : राजकीय आर्य महाविद्यालय नूरपुर की आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ और अनुसंधान विकास और नवाचार समिति द्वारा भारतीय पारंपरिक ज्ञान प्रणाली पर एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी श्रृंखला का आज शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थानए मंडीए हिमाचल प्रदेशए सीसीआरएस ;केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषदद्धए आयुष मंत्रालयए भारत सरकार के तीन वैज्ञानिकोंए डॉ हरदीप सिंहए डॉ रचना और डॉ विवेक डोगरा ने श्पौधों का पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक समाज में इसकी प्रासंगिकताश पर अपनी बातचीत की। संगोष्ठी के मुख्य वक्ताए कॉलेज के प्राचार्यए स्टाफ सदस्यों और छात्रों का स्वागत संगोष्ठी संयोजक डॉ राकेश कुमार ने किया। वक्ताओं ने पारंपरिक ज्ञान के महत्वए इसके दस्तावेजीकरण की आवश्यकताए पेटेंट और बायोपाइरेसी पर प्रकाश डाला' अनिल कुमार ठाकुर ने अपने व्याख्यान में स्थानीय पौधों के महत्व एवं प्राचीनकाल से उनके उपयोगऔरसंरक्षण के तरीकों पर प्रकाश डाला' इन छात्राओं ने दिखाया कि उनके क्षेत्रों में इन पौधों का उपयोग कैसे किया जाता है। सेमिनार के अंत में डॉ० हितजीत सिंह ने इस सेमिनार का धन्यवाद किया।